

रोटी हुई आँखों को तूने ही हसाया है

रोटी हुई आँखों को तूने ही हसाया है,
तूने इस जीवन को जीना भी सिखाया है,
रोटी हुई आँखों को तूने ही हसाया है,

चउ और मुसीबत थी घर में भी फजीयत थी,
उस वक़्त मुझे बाबा तेरी ही जरूरत थी,
बुझते हुए दीपक को तूने ही जलाया है,
तूने इस जीवन को जीना भी सिखाया है,

लाचार थे हम इतने खुद से भी हारे थे,
इक तेरे भरोसे पे अरमान हमारे थे,
कर्जे में दबे थे हम हमे सेठ बनाया है
तूने इस जीवन को जीना भी सिखाया है,

इतने एहसास तेरे मोहित क्या बतलाये,
रेहमत का तेरी मोहन वो वायज न दे पाए,
मुझ जैसे पत्थर को कोहिनूर बनाया है
तूने इस जीवन को जीना भी सिखाया है,

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/16430/title/roti-hui-ankho-ko-tune-hi-hasaya-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |